भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या -2505

उत्तर देने की तारीख - 18/12/2023

राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा संरचना के कार्यान्वयन की निगरानी

2505. डॉ. संघमित्रा मौर्य:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा संरचना (एनडीईएआर) के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए कोई उपाय किए हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में क्या प्रभाव पड़ा है और एनडीईएआर के कार्यान्वयन में क्या चुनौतियां हैं;

(ग) क्या सरकार की एनडीईएआर के साथ मौजूदा और आने वाले डिजिटल अनुप्रयोगों को संरेखित करने की योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (घ): जैसाकि एनईपी में परिकल्पना की गई है स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों हेतु अधिगम, मूल्यांकन, योजना, प्रशासन आदि को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विचारों के मुक्त आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) प्रकोष्ठ बनाया गया है। एनईटीएफ प्रकोष्ठ नीति विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों के समन्वय से एनडीईएआर रूपरेखा के कार्यान्वयन की निगरानी विकास, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), मूल्यांकन तथा आकलन, गुणवत्ता आश्वासन और अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से व्यापक रूप से कर रहा है। एनडीईएआर के कार्यान्वयन में सामना की गई कुछ चुनौतियों में डिजिटल विभाजन, बहुभाषी सामग्री बनाना, बड़े पैमाने पर शिक्षकों की क्षमता निर्माण और इसके निराकरण हेतु एक व्यापक पीएम ई-विद्या पहल शुरू की गई है।

वर्तमान में मौजूद और साथ ही आगामी डिजिटल एप्लिकेशन, सभी को एनडीईएआर रूपरेखा के अनुरूप बनाया जा रहा है। इससे न केवल भारत में अपितु वैश्विक स्तर पर भी हितधारकों को इन डिजिटल एप्लीकेशन्स को अपनाने में मदद मिली है। एनडीईएआर रूपरेखा के

अनुसार दीक्षा जैसी मौजूदा डिजिटल एप्लीकेशन्स को तैयार किया गया है। दीक्षा भारत में स्कूली शिक्षा हेतु राष्ट्रीय अवसंरचना मंच है, जिसका पूरे देश में व्यापक उपयोग किया जाता है। यह 31 भारतीय भाषाओं और 7 विदेशी भाषाओं में उपलब्ध है। दीक्षा पर 6,500 से अधिक सक्रिय पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध हैं, और विषय-सामग्री 38 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है - जिनमें 31 भारतीय भाषाएँ और 7 विदेशी भाषाएँ शामिल हैं। इसे दैनिक आधार पर लाखों शिक्षार्थियों द्वारा उपयोग किया जाता है और इसमें 531 करोड़ से अधिक शिक्षण सत्र रिकॉर्ड हैं। दीक्षा को भारत सरकार द्वारा एक डिजिटल पब्लिक गुड (डिजिटल पब्लिक गुड) के रूप में पहचाना गया है और एनडीईएआर में निर्धारित सिद्धांतों के अनुपालन में बिल्डिंग ब्लॉक्स के एक सेट के रूप में तैयार किया गया है।

विभिन्न अनुप्रयोगों के माध्यम से ऐसा प्रभाव बनाया गया है जिन्हें एनडीईएआर दीक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से समर्थकारी बनाया गया है। कुछ उल्लेखनीय पहलें निष्ठा (शिक्षकों, प्रशासकों का क्षमता निर्माण), विद्यादान (उच्च गुणवत्ता वाली विषय-सामग्री प्राप्त करना), सूक्ष्म सुधार ('करके सीखना' अवधारणा) हैं।

विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके), रजिस्ट्रियां, छात्रों के लिए आभासी प्रयोगशालाएँ और राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी जैसी हाल ही की पहलों को एनडीईएआर सिद्धांतों जैसे "ओपन डाटा मानकों और एनालिटिक्स" बिल्डिंग ब्लॉक के अनुरूप बनाया जा रहा है।

****